कक्षा - तीसरी
विषय - हिंदी

पाठ - 1
उपवन के फूल (कविता)

संक्षिप्त टिप्पणी → इस कविता में कवि ने फूलों की विशेषताएँ बताते हुए उनके जैसे बनने की प्रेरणा दी है। कवि कहते हैं कि हमें फूलों की तरह जीवन में आशा की किरण जगाना, दूसरों को सुख देना, मुश्किलों में भी खुश रहना सीखना चाहिए। हम बगीचे के सुंदर फूल हैं जो सबके मन को अच्छे लगते हैं। हमारी खुशबू से क्यारियाँ भरती हैं। हमारी इच्छा यही है कि सभी खुश रहें। हम काँटों से घिरने पर भी खुश रहते हैं अर्थात् हम मुश्किलों का सामना भी हँसकर करते हैं। हम भेदभाव के बिना सब पर अपना प्यार लुटाते हैं। कवि कहते हैं कि बच्चो, तुम भी फूलों जैसा जीवन जियो और अपने प्रेम से इस दुनिया को महकाओ।

प्र० / उ०

प्र०.1 फूल सबके मन को क्यों भाते हैं?
उ० फूल बहुत सुंदर होते हैं इसलिए सबके मन को भाते हैं।

प्र०.2 फूल जीवन में क्या जगाते हैं?
उ० फूल जीवन में आशा की किरणें जगाते हैं।

प्र०.3 काँटों से घिरने का क्या अर्थ है?
उ० काँटों से घिरने का अर्थ है मुसीबत में पड़ना।

प्र०.4 फूलों ने क्या सीखा है?
उ० फूलों ने काँटों से घिरने पर भी मुसकाना सीखा है।

प्र०.5 हम दुनिया का हर कोना कैसे महका सकते हैं?
उ० हम दुनिया का हर कोना प्रेमगंध से महका सकते हैं।

प्र०.6 यह कविता हमें क्या संदेश देती है?
उ० यह कविता हमें संदेश देती है कि हमें फूलों के समान दूसरों को सुख देनेवाला, जीवन में आशा की किरणें जगानेवाला, कठिनाइयों का हँसकर सामना करनेवाला, प्रेम से दुनिया को महकाने वाला बनना चाहिए।

कक्षा - तीसरी
विषय - हिंदी व्याकरण

पाठ - 1
भाषा और व्याकरण

प्र०.1 भाषा किसे कहते हैं?
उ० बोलकर या लिखकर अपने विचारों को प्रकट करने का साधन भाषा कहलाता है।

प्र०.2 भाषा के कितने रूप होते हैं? नाम लिखो।
उ० भाषा के दो रूप होते हैं।
i) मौखिक भाषा ii) लिखित भाषा

i) मौखिक भाषा ⇒ मौखिक भाषा में विचारों को बोलकर प्रकट किया जाता है।
जैसे → पढ़ना, टी० वी० आदि।

ii) लिखित भाषा ⇒ लिखित भाषा में विचारों को लिखकर प्रकट किया जाता है।
जैसे → पत्र लिखना, समाचार - पत्र आदि।

प्र०.3 लिपि किसे कहते हैं?
उ० भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है।

प्र०.4 व्याकरण किसे कहते हैं?
उ० व्याकरण वह साधन है, जो हमें शुद्ध रूप से बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाता है।